'क्वॉलिटी के साथ प्राइस सेंसिटिवनेस है जक्स पक्स की सक्सेज का राज'

आगरा में महज कुछ ही साल पहले शुरू हुए जक्स पक्स कैफे की बात करें तो वह अपनी सक्सेज से स्वयं को देश के फूड चेन के सफलतम ब्रांड में शामिल करा चुका है। जिसका श्रेय जाता है जक्स पक्स कैफे के सिमरनजीत सिंह और पुल्कित अरोरा को। जक्स पक्स कैफे की सक्सेज और उससे जुड़े कुछ पहलुओं को लेकर फैशन तंत्र ने सिमरनजीत सिंह और पुल्कित अरोरा से बात की। पेश है उनसे हुई बातचीत के खास अंश...

Simranjeet Singh

इस कैफे की शुरूआत कब और कैसे की ?

इस कैफे की शुरूआत हमने 2015 में कनॉट पैलेस दिल्ली से की थी। उसके बाद मई 2015 में सदर बाजार आगरा में हमने अपना आगरा में पहला कैफे शुरू किया। जक्स-पक्स आगरा का पहला मिल्क शेक और जूस बार ब्रांड है। आज जक्स पक्स सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, आज हमारी ब्रांचेज पलवल, नोएडा, बाराबंकी आदि शहरों में है। आज हम फ्रैंचाइजी मोड में भी है और फोकस कर रहे हैं टीयर-2 और टीयर-3 सिटीज में, क्योंकि आज जो भी कोई ब्रांड आता है तो सबसे पहले फोकस टीयर-1 सिटीज पर करता है। लेकिन हमारा विजन कुछ और है हम चाहते हैं कि टीयर-2 और टीयर-3 के लोगों को भी जक्स-पक्स से टीयर-1 सिटीज का टेस्ट मिले और इसी को ध्यान में रखते हुए हम जक्स-पक्स को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस कैफे रेंज को स्टार्ट करने की इंस्प्रेशन आपको कहां से मिली ?

इंस्पेरेशन की बात करें तो हम दोनों ही एक दूसरे के लिए इंस्पेरेशन का काम करते हैं।

जक्स-पक्स को स्टार्ट करने में क्या-क्या चेलेंज आये?

टायर-1 सिटी में जो प्रोडक्ट्स मिलते है वो टायर-2 और टायर-3 सिटीज में भी मिले और उसी क्वॉलिटी के साथ हमने शुरूआत ही इस कॉन्सेप्ट से की इसमें सबसे बड़ा चेलेंज हमारा यही रहा। हम आगरा के सबसे पहले मिल्क शेक ब्रांड है। सबसे बड़ा चेलेंज होता है लोगो के बीच नया प्रोडक्ट लाना और उसके टेस्ट से लोगो को फैमिलियर कराना। जब आगरा में हमने स्टार्ट किया और लोगो को सर्व करना शुरू किया तो लोगो का सबसे बड़ा सवाल था कि क्या ये एक इंडियन ब्रांड है और वो भी आगरा का। सबसे अच्छी बात आगरा के मार्केट के लोगो की यह है कि आगरा के लोग ओपन हार्ट से नयी चीजो का वेलकम करते है।

खास बात यह है कि हम दोनों ही इंजीनियर हैं और कॉर्पोरेट में 2-3 साल जॉब भी कर चुके हैं। लेकिन हमारा फूडी होना और पंजाबी होने के नाते से खाना हमारी नसों में है और कुछ नया करने की इंस्प्रेशन ने ही इस कॉन्सेप्ट को जन्म दिया और खास बात तो यह है कि पुल्कित तो फूडीज होने के साथ-साथ फूड ब्लॉगर भी है इसी के चलते हम दोनों का इंटरेस्ट भी फूड सेक्टर में ही कुछ करने का हुआ।

आपने अपने कैफे का नाम जक्स-पक्स ही क्यों रखा ?

हमने करीब 200-250 नामों को रिजेक्ट करने के बाद फाइनली यह नाम रखा। वैसे तो ये एक रैंडम वर्ड है, लेकिन अगर हम इसका मतलब देखें तो इसका मतलब है ज्यूस विद प्योरिटी एंड एक्स फैक्टर।

जक्स-पक्स अन्य से खास कैसे है ?

दरअसल हम बहुत ही प्राइस सेंसिटिव हैं और आपको ये चीज हमारे मेन्यू में भी दिखती है। अगर हम आज के दौर में इंडियन फूड मार्केट की बात करें तो यह बहुत ही प्राइस सेंसिटिव है। साथ ही आज के दौर में लोगों को क्वालिटी और एम्बियंस भी बहुत अच्छा चाहिए और वो भी कम प्राइस पर यदि हम आज अपने फ्रेंड्स के साथ निकलते हैं तो एम्बियंस और क्वॉलिटी को देखते हैं। जबकि फैमिली के साथ लक्जरी को प्रिफर करते है। जक्स-पक्स यंगस्टर्स की इसी सोच पर फोकस करता है और हमारा मेन्यू यंगस्टर्स पॉकेट फ्रेंडली है। हमारा खास फोकस प्राइजिंग विद क्वॉलिटी है।

आगरा में ऐसा क्या है जो आपको अच्छा लगता है ?

सबसे पहली बात आगरा हमारा अपना शहर है। आगरा में फूड इंडस्ट्रीज और फैशन इंस्डस्ट्रीज काफी ग्रो कर चुकी है। आगरा का मार्केट और आगरा के लोग किसी भी नई चीज को आसानी से असेप्ट करते हैं।

आपकी लाइफ की फिलॉसिफी क्या है ?

Respect your elder and treat them as good as you can.

आपकी लाइफ का सक्सेज मंत्रा क्या है ?

अपने वर्किंग ग्राफ को कभी भी स्थिर न होने दें। उसको हमेशा ग्रोइंग ही रखें। क्योंकि अगर यह स्थिर होता है तो आप समझो आपके एफर्ट्स में ही कुछ कमी है।

जक्स-पक्स को लेकर फ्यूचर प्लानिंग क्या है ?

हम ऑलरेडी फ्रैंचाइजी एक्सपेंसन कर रहे हैं और अभी हम यूपी, दिल्ली, एनसीआर और पंजाब स्टेट को फोकस कर रहे हैं।

आगरा के लोगों के लिए क्या मैसेज देना चाहेंगे आप ?

आगरा आपका अपना शहर है इसको साफ और स्वच्छ रखें और आप जैसे हर नई चीज को ओपन हार्टली स्वीकार करते रहें। यही नये बिजनेस को बूस्टअप करती है और जक्स-पक्स को असेप्ट करने के लिए थैंक्यू।

Pulkit Arora